

# पाठ 8- ऐसे-ऐसे

पृष्ठ संख्या: 70

प्रश्न अभ्यास

एकांकी से

1. 'सड़क के किनारे एक सुंदर फ्लैट में बैठक का दृश्य। उसका एक दरवाजा सड़क वाले बरामदे में खुलता है .....उस पर एक फ़ोन रखा है।' इस बैठक की पूरी तस्वीर बनाओ।

उत्तर

फर्श पर एक सुन्दर कालीन बिछा है। एक तरफ सोफ़ा रखा है। उसके सामने एक छोटी और डिजाइनदार मेज रखी है जिस पर फूलदान तथा अखबार और अन्य पत्रिकायें रखी हुई हैं। सामने दीवार पर टेलीविज़न लगा है। कोने में एक छोटी मेज है जिसपर एक टेलीफोन रखा है। कमरे की खिड़कियों और दरवाजे पर पर्दा लगा हुआ है।

2. माँ मोहन के 'ऐसे-ऐसे' कहने पर क्यों घबरा रही थी?

उत्तर

मोहन को पेट में दर्द हो रहा था जिसका कारण भी पता नहीं चल पा रहा था। कोई बड़ी बीमारी होने के बारे में सोचकर वह घबरा रही थी।

3. ऐसे कौन-कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार में सुनकर समझ जाते हैं? ऐसे कुछ बहानों के बारे में लिखो।

उत्तर

पेट में दर्द, सिर में दर्द, चक्कर आना, होमवर्क की कॉपी घर पर भूलना आदि।

पृष्ठ संख्या: 71

## भाषा की बात

• (क) मोहन ने केला और संतरा खाया।

(ख) मोहन ने केला और संतरा नहीं खाया।

(ग) मोहन ने क्या खाया?

(घ) मोहन केला और संतरा खाओ।

उपर्युक्त वाक्यों में से पहला वाक्य एकांकी से लिया गया है। बाकी तीन वाक्य देखने में पहले वाक्य से मिलते-जुलते हैं, पर उनके अर्थ अलग-अलग हैं।

पहला वाक्य किसी कार्य या बात के होने के बारे में बताता है। इसे विधिवाचक वाक्य कहते हैं।

दूसरे वाक्य का संबंध उस कार्य के न होने से है, इसलिए उसे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं। (निषेध का अर्थ नहीं या मनाही होता है।)

तीसरे वाक्य में इसी बात को प्रश्न के रूप में पूछा जा रहा है, ऐसे वाक्य प्रश्नवाचक कहलाते हैं।

चौथे वाक्य में मोहन से उसी कार्य को करने के लिए कहा जा रहा है। इसलिए उसे आदेशवाचक वाक्य कहते हैं।

अगले पृष्ठ पर एक वाक्य दिया गया है। इसके बाकी तीन रूप तुम सोचकर लिखो -

बताना : रुथ ने कपड़े अलमारी में रखे।

नहीं/मना करना : \_\_\_\_\_

पूछना : \_\_\_\_\_

आदेश देना : \_\_\_\_\_

उत्तर

बताना : रुथ ने कपड़े अलमारी में रखे।

नहीं/मना करना : रुथ ने कपड़े अलमारी में नहीं रखे।

पूछना : क्या रुथ ने कपड़े अलमारी में रखे?

आदेश देना : रुथ कपड़े अलमारी में रखो।